आवाज़ ... आम आदमी की

इन्क़िलाबी नज़र

लखनऊ, शुक्रवार, 1 दिसम्बर 2023

जो व्यक्ति भी विकास के लिए खड़ा है उसे हर एक रूढ़िवादी चीज की आलोचना करनी होगी , उसमे अविश्वास करना होगा तथा उसे चुनौती देनी होगी।
-भगत सिंह

वर्ष 16 अंक 87 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

तापमान - अधिकतम 22.1°C (-4.7) न्यूनतम 16.1°C(+5.1) सेंसेक्स 65,988.44 (+086.53) निफ्टी 20,133.15 (+036.55) सोना 62,880 चांदी 79,200 मुद्रा - डालर 83.38 दिरहम 22.70 रियाल 22.23

एक हजार शिशुओं में एक को क्लब फुट विकृति

एराज लखनऊ मेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल में चौथी बार प्रशिक्षण कार्यक्रम

लखनऊ (सं)। भारत में हर 1.6 सेकंड में एक नवजात शिशु का जन्म होता है, 1000 नवजात शिशुओं में से एक को क्लब फुट विकृति होती है। डॉ. इग्नासियो पोन्सेटी ने इस विकृति के प्लास्टर सुधार की 90 प्रतिशत से अधिक प्रभावी, 30,000 रुपये से कम लागत और सुरक्षित तकनीक वाला उपचार किया इस तकनीक ने 4 प्रतिशत से कम सर्जिकल उपचार की आवश्यकता को सीमित करते हुए उपचार में क्रांति ला दी। भारत में डॉक्टरों के बीच इस तकनीक का उपयोग करने के कौशल को फैलाने की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता थी।

अनुष्का फाउंडेशन इस लक्ष्य को जल्द से जल्द हासिल करने के लिए राष्ट्रव्यापी कार्यशालाएं आयोजित करता है। यह मरीजों का शीघ्र पता लगाने के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के बुनियादी ढांचे का भी उपयोग करता है। पंजीकृत मरीजों को अनुष्का फाउंडेशन द्वारा सक्षम प्रशिक्षित डॉक्टरों के पास लाया जाता है, जो उपचार की लागत वहन करता है और सुधारात्मक जूते प्रदान करता है। यह इलाज सुनिश्चित करने के लिए 5 वर्षों तक रोगियों का अनुसरण भी करता है। अनुष्का फाउंडेशन दुर्गम मामलों का शीघ्र पता लगाता है और उन्हें बैकअप प्रबंधन के लिए हायर सेंटर, एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज और आईएमएस को संदर्भित करता है। ये संस्थान डीजीएचएस द्वारा नामित प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण भी प्रदान करते हैं ताकि वे अपनी नियुक्ति स्थल पर दूसरों को प्रशिक्षित कर सकें। 22, 23 और 29 और 30 नवंबर को एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज ने चौथी बार यह प्रशिक्षण आयोजित किया। प्रशिक्षण लॉजिस्टिक्स की पूरी व्यवस्था अनुष्का फाउंडेशन द्वारा की गई थी। डीजीएचएस डॉ. ब्रजेश राठौड़, और एरा यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर डॉ. अब्बास अली महदी ने सत्र का उद्घाटन किया। साल 2018 से यूपी के 75 जिलों में क्लब फुट क्लिनिक चल रहे हैं। 11000 से अधिक बच्चों का नामांकन किया गया है। पूरे भारत में 272 डॉक्टरों को जिसमें डॉ. रेशमा मसूद, एजीएम, आरबीएसके, डॉ. अमित सिंह, जेडी ट्रेनिंग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग और डॉ. जी.के. सिंह, विभागाध्यक्ष आर्थोपेडिक विभाग द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। जिसमे डॉ. शारिब शमीम, डॉ. राजेश बाजपेयी और डॉ. दिलीप गुप्ता एरा यूनिवर्सिटी में मास्टर ट्रेनर थे।